vinetur

कृषि रसायनों का इस्तेमाल 70% तक घटाने के लिए स्पेन और फ्रांस में अंगूर की बेलों पर परीक्षण

TRANSFERES परियोजना में जलवायु परिवर्तन के दबाव से जूझ रहे दक्षिणी यूरोप के सीमा-पार वाइन क्षेत्रों में रोग-प्रतिरोधी और सूखा-सहिष्णु बेलों की तुलना होगी।

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



स्पेन और फ्रांस की एक नई सीमा-पार शोध परियोजना में अंगूर की ऐसी किस्मों का परीक्षण किया जाएगा जो फफूंदजनित रोगों के प्रति अधिक प्रतिरोधी हों और सूखे का बेहतर सामना कर सकें। यह पहल ऐसे समय हो रही है जब वाइन उत्पादकों पर जलवायु परिवर्तन, फसल के नुकसान और कृषि रसायनों के इस्तेमाल पर कड़ी होती सीमाओं का दबाव बढ़ रहा है।

गुरुवार, 19 नवंबर को बास्क शोध केंद्र NEIKER ने बताया कि वह TRANSFERES परियोजना का समन्वय कर रहा है। इसका उद्देश्य सीमा के दोनों ओर के विभिन्न वाइन उत्पादक क्षेत्रों में अंगूर की नई और कम इस्तेमाल की जाने वाली किस्मों के प्रदर्शन का अध्ययन करना है। शोध में डाउनी मिल्ड्यू और पाउडरी मिल्ड्यू जैसे रोगों के प्रति प्रतिरोधी बेलों और पर्यावरणीय तनाव, खासकर पानी की कमी, सहने वाली किस्मों पर ध्यान दिया जाएगा।

यह परियोजना ऐसे समय शुरू हुई है जब पूरे दक्षिणी यूरोप में अंगूर के बागों को बढ़ते तापमान, अधिक अनियमित वर्षा

और रोगों के बदलते स्वरूप का सामना करना पड़ रहा है। इन बदलावों से खेती की परिस्थितियां बदल रही हैं और पैदावार तथा बागों के प्रबंधन, दोनों पर असर पड़ रहा है। NEIKER ने कहा कि रोगों का प्रसार और पौध संरक्षण उत्पादों के प्रति रोगजनकों की बढ़ती प्रतिरोधकता, उत्पादकों पर ऐसे विकल्प खोजने का दबाव बढ़ा रही है जिनसे कम रासायनिक उपचारों के साथ उत्पादन बनाए रखा जा सके।

यह प्रयास यूरोपीय संघ की नीति के अनुरूप भी है। NEIKER के अनुसार, संघ की फार्म टू फोर्क रणनीति में 2030 तक पौध संरक्षण उत्पादों के इस्तेमाल और उनसे जुड़े जोखिम को 50% तक घटाने का लक्ष्य रखा गया है। अंगूर की प्रतिरोधी किस्में उत्पादकों को इस दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं। शोध केंद्र के मुताबिक, इन बेलों में ऐसे आनुवंशिक गुण होते हैं जो उन्हें फफूंदजनित रोगों का सामना करने में सक्षम बनाते हैं और इससे फाइटोसैनिटरी उपचारों की जरूरत 70% तक घट सकती है।

TRANSFERES स्पेन और फ्रांस के कई उत्पादक क्षेत्रों में सुधारी गई और कम इस्तेमाल की जाने वाली पारंपरिक, दोनों तरह की किस्मों का अध्ययन करेगा। शोधकर्ता कृषि संबंधी प्रदर्शन, पौधों के स्वास्थ्य, पर्यावरणीय प्रभाव, तनाव के प्रति प्रतिक्रिया और वाइन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले अंगूरों की गुणवत्ता का आकलन करेंगे। उद्देश्य केवल यह जानना नहीं है कि कठिन परिस्थितियों में ये बेलें जीवित रहती हैं या नहीं, बल्कि यह भी देखना है कि क्या वे व्यावसायिक वाइन उत्पादन के लिए उपयुक्त फल दे सकती हैं।

NEIKER के पौध उत्पादन और संरक्षण विभाग की शोधकर्ता और परियोजना समन्वयक Ana Diez ने कहा कि उत्पादकों के लिए इन किस्मों को उत्पादन प्रणालियों में शामिल करने का फैसला करने से पहले यह समझना जरूरी है कि वे अलग-अलग जलवायु और मिट्टी की परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करती हैं। इस परियोजना का उद्देश्य उत्पादकों को इस बारे में अधिक स्पष्ट प्रमाण देना है कि वास्तविक अंगूर-बाग परिस्थितियों में ये किस्में व्यवहार्य हैं या नहीं।

फ्रांस का अनुभव परियोजना में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। NEIKER के अनुसार, फ्रांसीसी साझेदारों के पास प्रतिरोधी किस्मों के व्यावहारिक इस्तेमाल का अधिक अनुभव है और उनमें से कुछ का इस्तेमाल व्यावसायिक वाइन उत्पादन में हो रहा है। परियोजना के जरिए यह जानकारी स्पेन के प्रतिभागियों के साथ साझा की जाएगी, जबकि स्पेन की अलग-अलग जलवायु और मिट्टी में होने वाले परीक्षण फ्रांसीसी साझेदारों को यह समझने के लिए अधिक आंकड़े देंगे कि ये किस्में मौजूदा उत्पादन क्षेत्रों से बाहर कैसे अनुकूलित होती हैं।

इस पहल में नतीजों को साझा करने पर भी खास जोर दिया गया है। आयोजकों ने बताया कि वे नियामकों, उत्पादकों और तकनीकी कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन कार्यक्रम, सीमा-पार बैठकें और जानकारी सत्र आयोजित करेंगे। परियोजना में तकनीकी दस्तावेज, प्रकाशन और संचार सामग्री भी तैयार की जाएगी। साथ ही, वाइन अपीलेशनों, सहकारी संस्थाओं, वाइनरी और शोध निकायों के साथ संबंध विकसित करने की योजना है, ताकि औपचारिक परियोजना समाप्त होने के बाद भी नतीजों का उपयोग जारी रह सके।

परियोजना के एक अन्य हिस्से में यह अध्ययन किया जाएगा कि समाज इन किस्मों को किस नजर से देखता है—यह ऐसा कारक है जो उनके व्यावसायिक भविष्य को प्रभावित कर सकता है। यदि उत्पादकों को बड़े पैमाने पर अपरिचित अंगूर की किस्में अपनानी हैं, तो उपभोक्ताओं और व्यापक वाइन बाजार की स्वीकृति भी अंगूर-बाग में उनके प्रदर्शन जितनी ही अहम साबित हो सकती है।

इस सवाल के पेय क्षेत्र के लिए व्यापक निहितार्थ हैं। यदि अंगूर की प्रतिरोधी और सूखा-सहिष्णु बेलों को अंगूर की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाए बिना अपनाया जा सकता है, तो वे वाइनरी को उत्पादन जोखिम घटाने, उपचार की लागत कम करने और अधिक चरम मौसम में आपूर्ति बनाए रखने का रास्ता दे सकती हैं। समय के साथ, इससे जलवायु के बढ़ते दबाव का सामना कर रहे क्षेत्रों में वाइन उत्पादन को अधिक स्थिर बनाए रखने में मदद मिल सकती है, हालांकि व्यावसायिक असर खेतों में मिलने वाले नतीजों और बाजार की स्वीकृति पर निर्भर करेगा।

TRANSFERES में स्पेन और फ्रांस के सात शोध एवं उद्योग संगठन शामिल हैं: NEIKER; सेंटर फॉर फूड रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी ऑफ़ अरागॉन, या CITA Aragon; ARTOMAÑA TXAKOLINA, S.L.; कैटलन इंस्टीटचूट ऑफ़ वाइन एंड वाइन, या INCAVI; फ्रेंच वाइन एंड वाइन इंस्टीटचूट, IFV Pôle Sud-Ouest; चैंबर ऑफ़ एग्रीकल्चर ऑफ़ Haute-Garonne; और Viñas del Vero S.A.U.

परियोजना का कुल बजट 1,008,436.39 यूरो है, जिसमें यूरोपीय क्षेत्रीय विकास कोष से 655,483.65 यूरो शामिल हैं। यह 1 जनवरी को शुरू हुई और 31 दिसंबर, 2028 तक चलने वाली है। NEIKER ने बताया कि परियोजना को यूरोपीय संघ से 65% सह-वित्तपोषण मिलता है। यह सहायता Interreg VI-A Spain-France-Andorra कार्यक्रम के तहत दी जा रही है, जिसे POCTEFA 2021-2027 के नाम से जाना जाता है और जिसका उद्देश्य सीमा क्षेत्र में आर्थिक तथा सामाजिक एकीकरण को मजबूत करना है।